वॉकिंग निमोनिया

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में **वॉकिंग निमोनिया** नामक एक रहस्यमय इन्फ्लूएंज़ा जैसी बीमारी ने चीन में स्कूली बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया है।

- इस प्रकोप का सटीक कारण अज्ञात है, लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह **माइकोप्लाज़्मा निमोनिया** से जुड़ा हो सकता है, जो एक सामान्य जीवाणु संक्रमण है जिसे **'वॉकिंग निमोनिया'** के रूप में जाना जाता है।
- चीनी अधिकारियों का दावा है कि इसमें **माइकोप्लाज़्मा निमोनिया,** एडेनोवायरस **और** इन्फ्लूएंज़ा वायरस जैसे रोगजनक शामिल हैं, जो गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम **(Severe Acute Respiratory Syndrome- SARS) कोरोनोवायरस जैसे नए रोगजनकों को खारिज़ करते हैं।**

वॉकिंग निमोनिया क्या है?

- **परिचय:**
  - वॉकिंग निमोनिया, जिसे एटिपिकल निमोनिया भी कहा जाता है, **माइकोप्लाज़्मा निमोनिया** जैसे बैक्टीरिया के कारण होने वाले **निमोनिया का एक हल्का रूप** है।
  - इसे "वॉकिंग" निमोनिया कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण अक्सर इतने हल्के होते हैं कि **व्यक्ति** बिस्तर पर आराम या अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता के बिना **अपनी दैनिक गतिविधियों को जारी रख सकते हैं।**
  - यह स्थिति **बच्चों में अधिक प्रचलित** है, **विशेष रूप से 5 से 15 वर्ष की आयु के** बच्चों में, जो स्कूल में एक-दूसरे के निकट संपर्क में रहते हैं, जिनसे आसानी से इस रोग का संक्रमण उनके परिवार के सदस्यों में हो सकता है।
- **संक्रमण:**
  - इसका संचरण **खाँसने**, छींकने या बात करने **के दौरान उत्सर्जित वायुजनित बूँदों के माध्यम से** होता है, जो निकट संपर्क के चलते संक्रमण फैलने का एक महत्त्वपूर्ण कारक बन जाता है।
- **लक्षण:**
  - इसके मुख्य लक्षणों में लगातार खाँसी, बुखार, गले में खराश, सिरदर्द, नाक बहना, कान में दर्द और कभी-कभी खाँसी के कारण सीने में तकलीफ शामिल है।
- **उपचार:**
  - उपचार में आमतौर पर संक्रमण उत्पन्न करने वाले विशिष्ट बैक्टीरिया को लक्षित करने के लिये एंटीबायोटिक्स का उपयोग किया जाता है।

निमोनिया से संबंधित पहलें क्या हैं?

- **भारत:**
  - निमोनिया से सफलतापूर्वक रोकने के लिये सामाजिक जागरूकता और कार्रवाई (SAANS)**:** इसका उद्देश्य निमोनिया (जो सालाना 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु में लगभग 15% का योगदान देता है) से होने वाले बाल मृत्यु दर को कम करना है।
    - सरकार का लक्ष्य वर्ष 2025 तक बच्चों में निमोनिया से होने वाली मौतों को प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर तीन से कम करने का लक्ष्य हासिल करना है।
  - वर्ष 2014 में भारत ने डायरिया तथा निमोनिया से संबंधित पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मौत की रोकथाम की दिशा में सहयोगात्मक प्रयास करने हेतु **'निमोनिया तथा डायरिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिये एकीकृत कार्य योजना (Integrated Action Plan for Prevention and Control of Pneumonia and Diarrhoea- IAPPD)'** शुरू की।
- **वैश्विक पहल:**
  - **विश्व स्वास्थ्य संगठन** तथा संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF) **ने वर्ष 2025 तक निमोनिया तथा डायरिया से बचाव योग्य बाल मृत्यु को खत्म करने** के उद्देश्य से निमोनिया तथा डायरिया के लिये एक एकीकृत वैश्विक कार्य योजना (Global Action Plan for Pneumonia and Diarrhoea- GAPPD) शुरू की थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/walking-pneumonia